संख्या-15/20/95- का-4- 2003

प्रेषक,

प्रदीप शुक्ला,
सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन ।

सेवामें,

समस्त प्रमुख सचिव/ सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन ।

कार्मिक अनुभाग-4, लखनऊ : दिनाँक : 11 नवम्बर, 2003

विषय:- लोक सेवा आयोग, उ0प्र0 को समय से अधियाचन प्रेषित किया जाना ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक समसंख्यक शासनादेश दिनाँक 02 जनवरी, 1996, दिनाँक 28 मई, 1997, दिनाँक 20 मई, 1998, दिनाँक 02 अगस्त, 1999 एवं दिनाँक 27 मार्च, 2003 में यह स्पष्ट निर्देश निर्गत किये गये थे, कि सम्पूर्ण सूचनाओं का समावेश करते हुए निर्धारित प्रपत्रों पर समय से लोक सेवा आयोग को अधियाचन उपलब्ध करा दिये जाँय । लोक सेवा आयोग द्वारा अवगत कराया गया है, कि अभी भी उन्हें समय से अधियाचन उपलब्ध नहीं कराये जा रहे हैं, जिससे निर्धारित तिथि पर विज्ञापन प्रकाशित कराने में विलम्ब होता है ।

2. उपर्युक्त के संबंध में आपसे निम्नवत् अनुरोध करने का मुझे निदेश हुआ है:-

(1) सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2003 के अवशेष अधियाचन यथाशीघ्र लोक सेवा आयोग को उपलब्ध करा दिये जाँय ।

(2) सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2004 के अधियाचन विलम्बतम दिनाँक 30 नवम्बर, 2003 तक उपलब्ध करा दिये जाँय ताकि लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित तिथि 01 जनवरी, 2004 को उक्त परीक्षा का विज्ञापन प्रकाशित किया जा सके ।

(3) भविष्य में भी समस्त अधियाचन , सुस्पष्ट विवरण, सेवानियमावलियों की प्रति एवं आरक्षण की स्थिति को स्पष्ट करते हुए, ससमय लोक सेवा आयोग को उपलब्ध कराने का कष्ट करें ।

3. कृपया उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का कष्ट करें ।

भवदीय,

(प्रदीप शुक्ला)
सचिव ।

संख्या-15/20/95(1)-का-4-2003, तद्दिनाँक ।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही 2

हेतु प्रेषित :-

1. समस्त विभागाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ।
2. सचिव, लोक सेवा आयोग,उ0प्र0, इलाहाबाद को उनके पत्र संख्या-270/4/ई-1/2003-2004, दिनाँक 15 अक्टूबर,2003 के संदर्भ में ।

आज्ञा से,

भुइयाँदीन
विशेष सचिव ।